भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2325

सोमवार, 4 अगस्त, 2025/13 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी उद्योग के गंतव्य स्थान

†2325. **श्री कैप्टन बृजेश चौटा:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) उद्योग के गंतव्य स्थानों के रूप में विकास करने हेतु शहरों की पहचान करने और उनका चयन करने के लिए किसी केन्द्रीय योजना या नीति के अन्तर्गत कोई मानदंड और प्रक्रियाएं अपनाई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मैंगलोर को एमआईसीई गंतव्य स्थान के रूप में विकास करने के लिए पहचाना या प्रस्तावित किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एमआईसीई पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की ज़िम्मेदारी है। हालांकि, अपने स्थायी कार्यकलापों के तहत पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से सोशल मीडिया और वेबसाइटों सहित विभिन्न माध्यमों से एमआईसीई पर्यटन सहित भारत का एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई को पर्यटन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। मंत्रालय ने देश में एमआईसीई उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप भी तैयार किया है।

पर्यटन मंत्रालय, देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को अपनी योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करता है (कन्वेंशन सेंटर और संबद्ध अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है)।

*****

अनुबंध

श्री कैप्टन बृजेश चौटा द्वारा बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी उद्योग के गंतव्य स्थान के संबंध में दिनांक 04.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2325 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कन्वेंशन सेंटर और संबद्ध अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**केन्द्रीय सरकार की योजना**	**परियोजना का नाम**	**परियोजना लागत (करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति वर्ष**	**घटक**
1.	छत्तीसगढ	सीबीडीडी	मायाली बगीचा का इको पर्यटन स्थल के रूप में विकास	9.97	2025	कन्वेंशन हॉल
2.	अरुणाचल प्रदेश	एसएएससीआई	पासीघाट में सियांग एडवेंचर और इको-रिट्रीट	46.48	2024	कन्वेंशन सेंटर
3.	गुजरात	एसएएससीआई	धोर्डो मेंटेंटेड सिटी और कन्वेंशन सेंटर	51.56	2024	कन्वेंशन सेंटर
4.	मध्य प्रदेश	एसएएससीआई	एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर	99.38	2024	कन्वेंशन सेंटर
5.	हरियाणा	एसडी 2.0	यादविन्द्रा गार्डन का जीर्णोद्धार	65.82	2025	कन्वेंशन सेंटर
6.	लक्षद्वीप	एसडी 2.0	बंगाराम में पर्यटक अनुभव का संवर्धन	81.18	2025	एमआईसीई के लिए कन्वेंशन हॉल
7.	मध्य प्रदेश	एसडी 1.0	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	18.77	2020	कन्वेंशन सेंटर
8.	जम्मू कश्मीर	एसडी 1.0	गुलमर्ग - बारामूला - कुपवाड़ा - कारगिल - लेह में पर्यटक सुविधाओं	21.01	2021	कन्वेंशन सेंटर

			का विकास			
9.	अरुणाचल प्रदेश	एसडी 1.0	जिरीगांव - नफरा - सेप्पा - पप्पू - पासा - पक्के घाटियाँ- लुमडुंग- लाफंगसोहंग झील - तारो यार- न्यू सगाली - जीरो - योमचा का विकास	4.028	2020	कन्वेंशन सेंटर
10.	गोवा	एसडी 1.0	तटीय परिपथ II: रुआ डी ओरम क्रीक - डोना पाउला - कोलवा - बेनौलिम का विकास	39.33	2022	कन्वेंशन सेंटर
11.	मिजोरम	एसडी 1.0	स्वदेश दर्शन के अंतर्गत नए इको पर्यटन - मिजोरम में उत्तर पूर्व परिपथ- थेनजॉल एवं दक्षिण जोटे, जिला सेरछिप और रीएक का एकीकृत विकास ।	2.64	2019	कन्वेंशन सेंटर
12.	हिमाचल प्रदेश	एसडी 1.0	कियारीघाट-शिमला- हाटकोटी- मनाली- कांगड़ा- धर्मशाला- बीर- पालमपुर- चंबा का विकास	17.265	2022	कन्वेंशन सेंटर
13.	मिजोरम	एसीए	आइजोल में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास।	39.94	2021	कन्वेंशन सेंटर

*****